झमाझम रहा मानसून, उत्तर भारत से दो दिन में करेगा वापसी

दैनिक जागरण, नई दिल्ली, दिनांक : 28.09.2020

दक्षिण पश्चिम मानसून उत्तर भारत से अब विदा लेने वाला है। अगले दो दिनों में मानसून की वापसी के अनुकूल हालात बन रहे हैं। वैसे इस साल मानसून उत्तर भारत समेत देश के किसी भी हिस्से को निराश नहीं किया है। आंकड़ों के मुताबिक 26 सितंबर तक पूरे देश में औसत बरसात सामान्य से नौ फीसद अधिक हुई है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने रविवार को कहा कि राजस्थान और आसपास के इलाकों से 28 सितंबर से मानसून की वापसी के अनुकूल हालात बन रहे हैं। विभाग के मुताबिक मानसून की वापसी में देश की राजधानी दिल्ली के ऊपर बादल तो छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की उम्मीद कम है। राष्ट्रीय राजधानी का तापमान 23 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा, यानी दिल्ली-एनसीआर में लोगों को फिलहाल गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। हालांकि, हिमालय से सटे बिहार, बंगाल के इलाकों के साथ ही पूर्वोत्तर के राज्यों में अगले चौबीस घंटों के दौरान जमकर बरसात होने की संभावना है।

वहीं, मौसम का पूर्वानुमान बताने वाली निजी क्षेत्र की एजेंसी स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावट ने कहा कि बारिश बहुत कम हो गई है। सोमवार से पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी। मानसून की वापसी सामान्य से अधिक बरसात के साथ हो रही है।

बता दें कि दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 96 से 104 फीसद के बीच की बारिश को सामान्य माना जाता है। एलपीए के 104 से 110 फीसद के बीच की बरसात को अधिक कहा जाता है। एलपीए वर्ष 1960 से 2010 के बीच यानी 50 साल में हुई बरसात का औसत है, जो 88 सेंटीमीटर है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक नौ राज्यों में सामान्य से अधिक व 20 राज्यों में सामान्य बारिश हुई है। भारत में आधिकारिक तौर पर वर्षा का मौसम एक जून से 30 सितंबर तक है। इस साल एक जून को मानसून केरल पहुंच गया था।